न्यूज स्प्लैश

RNI No.: MAHHIN/2015/61572

● वर्ष :12 ● अंक :05 ● मुंबई, मई 2026 ● पृष्ठ:4 ● मूल्य :8 रु.

मोजतबा खामेनेई की दोटूक, अमेरिकी बेस की सुरक्षा सिर्फ एक भ्रम, बताया 'कागजी शेर'

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा भारी तनाव अब एक बहुत ही खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के खिलाफ एक बहुत ही तीखा और भयंकर हमला बोला है। उन्होंने मध्य पूर्व में मौजूद सभी बड़े अमेरिकी सैन्य ठिकानों को सीधे तौर पर पूरी तरह से 'कागजी शेर' करार दिया है। उनका स्पष्ट मानना है कि जो विदेशी ठिकाने खुद की सुरक्षा नहीं कर सकते वह पूरे क्षेत्र की सुरक्षा कैसे करेंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट करते हुए उन्होंने अमेरिका के सभी सहयोगी देशों पर भी बहुत कड़ा निशान साधा है। यह कड़ा बयान ऐसे नाजुक समय में आया है। जब ईरान अमेरिका और इजरायल के बीच तनाव को कम करने की कूटनीतिक कोशिशें जारी हैं। ईरान ने पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को एक नया और अहम शांति प्रस्ताव भेजा था जिसे राष्ट्रपति ट्रंप पहले ही पूरी तरह से ठुकरा चुके हैं। इन सब घटनाक्रमों से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि इस पूरे संवेदनशील क्षेत्र में अभी शांति स्थापना की राह बहुत ही ज्यादा कठिन और लंबी है।

फारस की खाड़ी पर दावा

खामेनेई ने पर्शियन गल्फ डे के मौके पर कहा कि फारस की खाड़ी सिर्फ पानी का क्षेत्र नहीं बल्कि उनकी पहचान और सभ्यता का एक अहम हिस्सा है यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम रास्ता है और इसे विदेशी ताकतों के अनावश्यक दखल से पूरी तरह मुक्त होना चाहिए उन्होंने कहा कि ईश्वर की कृपा से यह खाड़ी अमेरिका की मौजूदगी से मुक्त होकर लोगों की तरक्की और खुशहाली के लिए काम करेगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा

सुप्रीम लीडर ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की रक्षा सुनिश्चित करने का भी बहुत ही मजबूत और कड़ा दावा पेश किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान अपने क्षेत्र में किसी भी तरह की विदेशी और शत्रुतापूर्ण गतिविधि का बहुत ही करारा जवाब देगा। पश्चिमी देशों की सैन्य मौजूदगी ने हमेशा इस क्षेत्र में केवल अस्थिरता और लगातार बड़े संघर्ष को ही काफी ज्यादा बढ़ावा दिया है।

ट्रंप ने शांति प्रस्ताव किया खारिज

ईरान ने वर्तमान संघर्ष और इस भारी तनाव को कम करने के लिए अमेरिका को एक बहुत ही नया शांति प्रस्ताव भेजा था। आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह अहम प्रस्ताव पाकिस्तान की मदद और मध्यस्थता के जरिए सीधे अमेरिकी प्रशासन तक पहुंचाया गया था। लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के इस ताजा शांति प्रस्ताव को मानने से सिरे से इनकार करने के साफ संकेत दिए हैं।

बाहरी शक्तियां पूरी तरह नाकाम

खामेनेई ने अपने बयान में जोर देकर कहा कि बाहरी शक्तियां इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने में बिल्कुल असमर्थ हैं। क्षेत्रीय देशों का आपसी भाग्य एक दूसरे से जुड़ा है और किसी भी दूर बैठे विदेशी देश को यहां बिल्कुल दखल नहीं देना चाहिए। 'कागजी शेर' जैसे अमेरिकी ठिकाने क्षेत्र के अमेरिकी समर्थकों की सुरक्षा करने में पूरी तरह से विफल और अक्षम साबित हुए हैं।

राजनीतिक पाला बदलना राघव चड्ढा को पड़ा भारी

सोशल मीडिया पर अनफॉलो अभियान से जेन-जेड दे रही है झटका

नई दिल्ली,आम आदमी पार्टी के पूर्व पोस्टर बॉय राघव चड्ढा के लिए भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का फैसला डिजिटल मोर्चे पर एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। चड्ढा, जो अपनी आधुनिक सोच और युवा छवि के लिए जाने जाते थे, इन दिनों सड़कों पर होने वाले प्रदर्शनों के बजाय एक अलग तरह के विरोध का सामना कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल और उनकी पुरानी पार्टी के समर्थकों ने अब सोशल मीडिया पर अनफॉलो बटन को अपना हथियार बना लिया है। विशेष रूप से जेनरेशन जेड के युवाओं के बीच उनकी घटती लोकप्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है।

एक चार्टर्ड अकाउंटेंट से राजनेता बने राघव चड्ढा की पहचान हमेशा से एक एक्सेसिबल नेता की रही है। ब्लिंकिट डिलीवरी जैसे रोजमर्रा के उदाहरणों और सामान्य व्यवहार के कारण युवा उन्हें पुराने ढर्रे के राजनेताओं से अलग मानते थे। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ उनके विवाह ने उन्हें एक ग्लैमरस पहचान भी दी, जिससे वे युवाओं के लिए एक पड़ोस के लड़के (बॉय नेक्स्ट डोर) वाली छवि में फिट बैठते थे। हालांकि, जानकारों का मानना है कि उनका अचानक पाला बदलना युवाओं को पुरानी और गंदी राजनीति की वापसी जैसा महसूस हुआ है, जिससे उनका मोहभंग हो रहा है।

राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, युवा मतदाताओं में छवि को लेकर बहुत संवेदनशीलता होती है। राजनीति विज्ञान के जानकारों का कहना है कि युवा सांसदों से अक्सर सार्वजनिक नैतिकता और स्वच्छ राजनीति की एक नई संस्कृति लाने की उम्मीद की जाती है। चड्ढा ने अपनी छवि एक ऐसे नेता के रूप में गढ़ी थी जो आम जनता के मुद्दों से सरोकार रखता है, लेकिन हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों ने उनके समर्थकों को निराश किया है। विशेषकर जेन-जी विश्वासघात या व्यक्तिगत विशेषाधिकार को सुरक्षित रखने वाले राजनीतिक कदमों को आसानी से स्वीकार नहीं करती।

मुंबई में वड़ा पाव से चाय तक महंगा,

कमर्शियल गैस कीमतों ने बढ़ाई रेस्तरां की मुश्किलें

होटल और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की कीमत बढ़ने से पहले से ही दबाव में चल रहे होटल उद्योग को 'गंभीर झटका' लगा है और आगे स्थिति और बिगड़ने की आशंका पैदा हो गई है। उद्योग संगठनों ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप कर कीमतों में वृद्धि वापस लेने की मांग की है। उद्योग संगठन का कहना है कि होटल एवं रेस्तरां में परोसे जाने वाले व्यंजनों की कीमतों में १० से १५% तक बढ़ोतरी हो सकती है। वैसे मुंबई में बहुत से होटल, रेस्टोरेंट और ढाबे वालों ने पहले ही कीमतों में १० से २५% की बढ़ोतरी कर दी है। मुंबई में १५ रुपये वाला वड़ा पाव और समोसा अब १८-२० रुपये में बेचा जा रहा है। वहीं चाय भी १० रुपये से बढ़ाकर १२ रुपये कर दी गयी है।

फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशंस ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) के उपाध्यक्ष प्रदीप शेट्टी ने कहा कि एलपीजी कीमतों में हाल की वृद्धि के कारण परोसे जाने वाले व्यंजनों की कीमतों में १० लेकिन यह बढ़ोतरी भी शायद से १५% तक बढ़ोतरी लगभग तय लग रही है।

कमर्शियल सिलेंडर में ३ बार हुई बढ़ोतरी

लागत की पूरी भरपाई नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि १९ किलो वजन वाले वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम में तीन बार में हुई कुल १,३३२ रुपये की बढ़ोतरी से उद्योग की परिचालन लागत अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई है। ऐसा तब है जब व्यवसाय पहले से ही आपूर्ति व्यवधान, सीमित परिचालन क्षमता और कमजोर नकदी प्रवाह जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे है।शेट्टी के मुताबिक, कई प्रतिष्ठ ान पहले ही सीमित समय, सीमित मेन्यू और वैकल्पिक ईईंधन व्यवस्था के साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में ताजा मूल्य वृद्धि से उनके मार्जिन पर दबाव बढ़ेगा और संचालन अस्थिर हो सकता है। उन्होंने आगाह किया कि कई प्रतिष्ठान पहले ही अस्थायी रूप से बंद हो चुके हैं और कीमतों में यह नई बढ़ोतरी प्रतिष्ठानों की बंदी और रोजगार में कटौती को और तेज कर सकती है।

NCB का ऑपरेशन 'व्हाइट स्ट्राइक'

मुंबई में 1745 करोड़ की कोकीन जब्त

मुंबई में एनसीबी ने ऑपरेशन व्हाइट स्ट्राइक के तहत ३४९ किलो कोकीन जब्त कर अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का पर्दाफाश किया. छह महीने की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई. कलंबोली और भिवंडी में छापेमारी में कुल १७४५ करोड़ की कोकीन मिली. अब एजेंसियां मास्टरमाइंड और अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हैं.

मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है. ऑपरेशन व्हाइट स्ट्राइक के तहत एनसीबी ने करीब ३४९ किलोग्राम हाई-ग्रेड कोकीन जब्त की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग १७४५ करोड़ रुपये बताई जा रही है. यह कार्रवाई पिछले छह महीनों से चल रही खुफिया निगरानी और सटीक जानकारी के आधार पर की गई. जानकारी के अनुसार, यह ऑपरेशन मुंबई और उससे जुड़े लॉ जिस्टिक्स कॉरिडोर, खासकर नवी मुंबई और ठाणे के कलंबोली-भिवंडी क्षेत्र में चलाया गया. एनसीबी की कई टीमों ने एक साथ छापेमारी कर इस बड़े नेटवर्क का खुलासा किया. जांच में सामने आया है कि यह एक संगठित अंतरराष्ट्रीय गिरोह है, जो आधुनिक तकनीकों और गोदामों का इस्तेमाल कर ड्रग्स की सप्लाई करता था. इस पूरे ऑपरेशन की शुरुआत एक छोटी खेप से हुई, जिसे ट्रैक करते हुए एजेंसी ने इस बड़े नेटवर्क तक पहुंच बनाई. पहले चरण में एनसीबी अधिकारियों ने नवी मुंबई के कलंबोली स्थित केडब्ल्यूसी वेयरहाउसिंग कॉम्प्लेक्स के पास एक मारुति सुजुकी सुपर कैरी गाड़ी को रोका. तलाशी लेने पर उसमें से १३६ पैकेट कोकीन बरामद हुए, जिनका वजन लगभग १-१ किलोग्राम था.

चौंकाने वाली बात यह थी कि इन पैकेट्स को क्रिकेट पैड और ग्लव्स के अंदर छिपाकर रखा गया था. मौके पर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया. उससे पूछताछ के बाद इस नेटवर्क की

एक और कड़ी सामने आई. आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर एनसीबी ने दूसरा ऑपरेशन भिवंडी के एक गोदाम में चलाया. यह गोदाम लक्ष्मण कंपाउंड, रेहनाल गांव के पास स्थित था. यहां से टीम ने २१३ और पैकेट कोकीन बरामद किए, जिनका वजन भी लगभग १-१ किलोग्राम था. इस तरह कुल ३४९ किलोग्राम कोकीन जब्त की गई. प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि इस ड्रग्स को बेहद ही खास तरीके से छिपाया गया था. कोकीन को एक मशीन के अंदर बनी कैविटी में छिपाकर भारत में आयात किया गया था. हर पैकेट को ९ अलग-अलग परतों में पैक किया गया था, जिनमें एक परत काले चिकने पदार्थ की भी थी. यह तरीका सुरक्षा एजेंसियों को भ्रमित करने के लिए अपनाया गया था.

संपादकीय...

सबसे महंगी रसोई गैस गरीबों को

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का मतदान २९ अप्रैल को जैसे ही खत्म हुआ उसके तुरंत बाद सरकार की सबसे बड़ी महंगाई की गाज गरीबों और मध्यम वर्ग के ऊपर पड़ी है। पेट्रोलियम कंपनियों ने ५ किलो के छोटे सिलेंडर में २६१ रुपए की मूल्य वृद्धि कर दी है। भारत में यह सबसे महंगी गैस हो गई है जो १६२ रुपए किलो गरीबों को खरीदनी पड़ेगी। पेट्रोलियम कंपनियों ने कमर्शियल रसोई गैस के सिलेंडर से ज्यादा छोटू सिलेंडर की रखी है। निदित रूप से ५ किलो वाले सिलेंडर की सप्लाई पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा की जा रही है। पिछले दो महीने में सरकार और पेट्रोलियम कंपनी ने ५ किलो वाले छोटे सिलेंडर के कनेक्शन बड़ी मात्रा में उपलब्ध कराए हैं। अमेरिका और ईरान युद्ध के बाद एलपीजी गैस की कमी होने के कारण सरकार ने एक तीर से दो शिकार किए हैं। ५ किलो के छोटू सिलेंडर ज्यादा से ज्यादा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके लिए लोगों को ५ किलो के सिलेंडर लेने पड़ रहे हैं। इसमें भी पेट्रोलियम कंपनी को कमाई हो रही है। गैस के दाम भी सबसे ज्यादा कर दिए हैं। लाखों लोग रोजाना ५ किलो के सिलेंडर पेट्रोलियम कंपनियों से ले रहे हैं। १४ किलो वाले सिलेंडर की सप्लाई लगातार कम होती जा रही है। इसमें सरकार को सब्सिडी देना पड़ती है। दूसरा इसके लिए गैस भी पेट्रोलियम कंपनियों के पास ज्यादा होनी चाहिए। एक संयोजित रणनीति के तहत १४ किलो के गैस सिलेंडर के स्थान पर ५ किलो के गैस सिलेंडर की सप्लाई बढ़ा दी गई है। भारत में सबसे महंगी गैस गरीबों और मध्यम वर्ग को खरीदना पड़ रही है। कमर्शियल गैस सिलेंडर जो १९ किलो वाला है वह भी छोटू सिलेंडर की तुलना में कम कीमत पर पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा बेचा जा रहा है। रही सही कसर दो-चार दिन में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने को लेकर पूरी होने जा रही है। पेट्रोलियम मंत्री ने पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ाने का संकेत दे दिया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक माह में तीन से चार बार कीमत बढ़ाई जाएगी। २० से २५ रुपये प्रति लीटर डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ाने की संभावना जताई जा रही है। जैसे ही पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ेंगे उसके बाद बड़ी तेजी के साथ हर क्षेत्र में महंगाई बढ़ेगी। इसका खामियाजा भी सबसे ज्यादा गरीब और मध्यम वर्ग को ही भुगतना पड़ेगा। इन्हीं की जनसंख्या सबसे ज्यादा है। यही सबसे ज्यादा खाते हैं, पीते हैं, खर्च करते हैं और बोझ भी बहुत सारा सरकार इन्हीं पर डाल रही है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी निजी पेट्रोलियम कंपनियों के ऊपर बड़े मेहरबान हैं। पिछले ४ साल में जब कच्चे तेल के दाम कम थे, उस समय भी निजी क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी को भारी मुनाफा कमाने का मौका दिया गया। रूस से बड़े पैमाने पर कच्चा तेल कम कीमत पर आयात किया गया। इसका लाभ भारत के उपभोक्ताओं को नहीं मिला। निजी कंपनियों ने रूस से कच्चे तेल को खरीदकर उसे रिफाइन करके विदेशों में निर्यात किया और भारी मुनाफा कमाया। अभी भी सरकार पेट्रोलियम कंपनियों के ऊपर मेहरबान है। सरकार ने एक्साइज ड्यूटी घटा दी है। इसका फायदा पेट्रोलियम कंपनी को हुआ है। लेकिन अब सरकार जिस तरह से पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम बढ़ाने की अनुमति पेट्रोलियम कंपनी को दे रही है उसके बाद महंगाई की गाज गरीबों और मध्यम वर्ग के ऊपर गिरना तय है। इसको लेकर लोगों में अभी से घबराहट दिखने लगी है। आगे भगवान ही मालिक है। सरकार ने पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है। इसको लेकर सभी को हैरानी हो रही है।

चेंबूर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः हाथी दांत की तस्करी करने वाले ५ आरोपी गिरफ्तार, करोड़ों का माल जब्त

मुंबई (शाहिद शौकत)ः चेंबूर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हाथी दांत की अवैध खरीद-फरोख्त के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसके बाद इस गिरोह का पर्दाफाश हुआ।

मिली जानकारी के मुताबिक, चेंबूर पुलिस स्टेशन में दर्ज पैं नंबर ४३४/२०२६ के तहत भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता संदीप शिवराम परदेशी (४०) की सूचना पर पुलिस ने जाल बिछाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार आरोपी एक लॉजिंग एंड बोर्डिंग में इकट्ठा होकर हाथी दांत की खरीद-फरोख्त की डील कर रहे थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पांचों आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक जब्त किया गया सामानः

हाथी दांत के २ बड़े टुकड़े

पहला टुकड़ाः लंबाई लगभग ३० इंच, वजन ११ किलो

दूसरा टुकड़ाः लंबाई ४३ इंच, वजन २०.६ किलो

४ मोबाइल फोन

पुलिस के अनुसार जब्त किए गए माल की कीमत लगभग ३ करोड़ ५० लाख रुपये बताई जा रही है।

आगे की जांच में एक और फरार आरोपी की पहचान हुई है, जिसकी तलाश जारी है।

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई, जिसमें डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस और अन्य अधिकारी शामिल थे। पुलिस टीम ने तकनीकी संसाधनों और गुप्त जानकारी का इस्तेमाल कर इस नेटवर्क का भंडाफोड़ किया।

पुलिस के अनुसार इस मामले की आगे की जांच जारी है और इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

मनपा की नाला सफाई पर सवाल, उपनगरों में जलभराव का खतरा बढ़ा

मुंबईः मानसून से पहले नाला सफाई के दावों के बीच बृहन्मुंबई महानगरपालिका (मनपा) की तैयारियों पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। उपनगरों के कई क्षेत्रों में बड़े नालों की सफाई में देरी और लापरवाही के कारण स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई नहीं हुई, तो बारिश के दौरान इलाके डूबने का खतरा बना रहेगा।

गोवंडी समेत कई इलाकों में मुख्य नाले पूरी तरह कचरे से पटे हुए दिखाई दे रहे हैं। कुछ नालों की हालत ऐसी है मानो वर्षों से उनकी सफाई ही नहीं की गई हो। कई जगहों पर नाले झाड़ियों और गंदगी से भरकर छोटे जंगल का रूप ले चुके हैं, जिससे पानी का बहाव पूरी तरह बाधित हो रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि हर साल मनपा केवल दिखावे के लिए नाला सफाई का काम करती है। कागजों पर करोड़ों रुपये खर्च दिखाए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। नालों से निकाला गया कचरा भी कई बार वहीं किनारे पर छोड़ दिया जाता है, जो दोबारा नाले में बहकर स्थिति को और खराब कर देता है।

क्षेत्र के रहवासियों ने मांग की है कि गोवंडी के प्रमुख नालों की सफाई तुरंत शुरू की जाए और इसकी निगरानी के लिए सख्त व्यवस्था बनाई जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं की गई, तो बारिश के मौसम में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है।

अब सवाल यह उठता है कि आखिर इन प्रमुख नालों की सफाई का शुभारंभ कब होगा और क्या इस बार मनपा केवल दावे करेगी या वास्तव में जमीनी स्तर पर काम भी नजर आएगा।

४५ साल से फरार हत्या व हत्या के प्रयास के आरोपी को ट्रॉम्बे पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई (शाहिद शौकत)ः ट्रॉम्बे पुलिस को एक बड़ी सफलता उस समय मिली जब लगभग ४५ साल से फरार हत्या और हत्या के प्रयास के मामले में फरार आरोपी को सांगली जिले से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, साल १९८१ में दर्ज मामले के तहत आरोपी पोपट गोविंद वायदंडे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराएं ३०७, ३३२, १४३, १४५, १४६, १४७ और १४८ के तहत केस दर्ज था। इस मामले में माननीय सत्र न्यायालय नंबर ३९, मुंबई द्वारा आरोपी के खिलाफ उद्घोषणा (प्रोक्लेमेशन) भी जारी की गई थी।

ट्रॉम्बे पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। गुप्त सूचना के आधार पर पता चला कि आरोपी पिछले लगभग २० वर्षों से सांगली जिले के खानापुर तालुका के तडसर इलाके में रह रहा था। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें पुलिस सब-इंस्पेक्टर शरद नानिकर और उनकी टीम सांगली रवाना हुई। जांच के दौरान जानकारी मिली कि आरोपी कडेगांव तालुका के आंबेगांव स्टैंड क्षेत्र में मौजूद है। पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया।

गिरफ्तारी के बाद इसकी सूचना उसके रिश्तेदारों को दे दी गई।

पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से कानून से फरार आरोपी को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को पकड़ने पर सब-इंस्पेक्टर शरद नानिकर और उनकी टीम–संदीप पाटिल, सूरज पवार और शोभा कालील–को १०-१० हजार रुपये का नकद इनाम और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गोवंडी में समाजवादी पार्टी की भव्य नशा मुक्ति रैली छात्रों और स्थानीय लोगों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

मुंबई के गोवंडी क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आज़मी के नेतृत्व में एक भव्य नशा मुक्ति रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ स्कूल के छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया

रैली के दौरान छात्रों और युवाओं के हाथों में 'नशा मुक्त गोवंडी' लिखे प्लेकार्ड नजर आए जिससे पूरे इलाके में जागरूकता का संदेश फैलाया गया रैली का उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ते नशे के प्रचलन को रोकना और युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करना था

इस मौके पर समाजवादी पार्टी के युवा नेता फहाद आज़मी ने न्यूज स्प्लैश संवाददाता से बातचीत करते हुए कहा कि पार्टी गोवंडी को नशा मुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है उन्होंने बताया कि AAA फाउंडेशन की ओर से एक भव्य क्रिकेट टूर्नामेंट का भी आयोजन किया गया है ताकि इलाके के बच्चे नशे से दूर रहकर खेल और सकारात्मक गतिविधियों की ओर अग्रसर हों रैली में शामिल लोगों ने एकजुट होकर नशे के खिलाफ आवाज उठाई और समाज को इस बुराई से मुक्त करने का संकल्प लिया स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में जागरूकता बढ़ेगी और वे सही मार्ग पर आगे बढ़ेंगे

मुंबई मे AIMIM के नगरसेवक को मिला बड़ा झटका वार्ड क्रमांक 138

शारुख कय्यूम

मुंबई- महानगरपालिका चुनाव में पहली बार AIMIM के आठ नगरसेवक जीतकर आए थे। लेकिन अब मानखुर्द शिवाजीनगर के प्रभाग क्रमांक 138 से चुनी गई नगरसेविका रोशन शेख का पद खतरे में आ गया है जाति प्रमाणपत्र जांच समिति द्वारा दस्तावेज फर्जी पाए जाने के कारण उनका जाति प्रमाणपत्र अमान्य ठहराया गया है इससे मुंबई महानगरपालिका में राजनीतिक हलचल होने की संभावना है

इस बीच प्रभाग 138 में दूसरे स्थान पर रहे समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार महफूज आजमी ने रोशन शेख के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। उन्होंने दावा किया था कि रोशन शेख का जाति प्रमाणपत्र गलत है इसके चलते मामला जिला जाति प्रमाणपत्र जांच समिति के पास भेजा गया

जांच के दौरान पाया गया कि रोशन शेख ने जो दस्तावेज पेश किए उनमें जिन लोगों का उल्लेख किया गया था उनका उनसे कोई सीधा संबंध नहीं था इस वजह से उनके सभी दावे खारिज कर दिए गए

समिति ने सभी दस्तावेजों की गहन जांच, सुनवाई और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि रोशन शेख का जुलाहा (ओबीसी) वर्ग में होने का दावा साबित नहीं होता इसलिए उनका जाति प्रमाणपत्र अमान्य घोषित कर दिया गया।

मुंबई में चाकूबाजी की दो घटनाओं से दहशतः मज़ाक समझकर दुकानदार पर हमला, मीरा रोड में धार्मिक सवाल पर दो गार्ड घायल

मुंबईः शहर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं ने कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पहली घटना मुंबई के अग्रिपाड़ा इलाके में हुई, जहां एक व्यक्ति ने महज गलतफहमी के चलते दुकानदार पर चाकू से हमला कर दिया। ऊऊ= की रिपोर्ट के अनुसार, अग्रिपाड़ा के बेबी गार्डन इलाके में दो भाई अपनी दुकान पर आपस में बातचीत करते हुए हंस रहे थे। इसी दौरान आरोपी फिरोज मंसूरी वहां पहुंचा और उसे लगा कि दोनों भाई उस पर हंस रहे हैं। इसी गलतफहमी में उसने अचानक बैग से चाकू निकालकर एक भाई पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आरोपी ने पीड़ित पर 5 से 6 बार वार किए, जिससे उसके हाथ सहित शरीर पर गहरे जख्म आए हैं। फिलहाल पीड़ित की हालत को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर तकनीकी जानकारी और लोकल इंटेलिजेंस के आधार पर आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास है या वह मानसिक तनाव से गुजर रहा था। वहीं दूसरी घटना मीरा रोड के नया नगर इलाके में सामने आई, जहां 31 वर्षीय जैब जुबैर अंसारी ने दो सुरक्षा गार्डों पर हमला कर दिया। बताया गया कि

आरोपी पहले एक मस्जिद का रास्ता पूछने के बहाने आया, लेकिन बाद में उसने एक गार्ड से उसका धर्म पूछा और फिर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद उसने दूसरे गार्ड से 'कलमा' पढ़ने को कहा और मना करने पर उसे भी घायल कर दिया। दोनों गार्ड गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे ठाणे की अदालत में पेश किया गया, जहां उसे 4 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। इन घटनाओं ने शहर में सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गोवंडी में 100 से अधिक अवैध स्कूलों का दावा छात्रों के भविष्य पर सवाल

शारुख कय्यूम

गोवंडी इलाके में अवैध निर्माण और शिक्षा के नाम पर हो रहे कथित घोटाले को लेकर सियासत गरमा गई है। पूर्व भाजपा सांसद किरीट सोमैया ने दावा किया है कि गोवंडी क्षेत्र में 100 से अधिक स्कूल अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं इन स्कूलों के पास न तो वैध अनुमति है और न ही जरूरी बुनियादी सुविधाएं

सोमैया ने आरोप लगाया कि कुछ भूमाफिया स्कूल के नाम पर अवैध इमारतें खड़ी कर रहे हैं और अभिभावकों से मोटी फीस वसूल रहे हैं उन्होंने कहा कि यह सीधे तौर पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है ऐसे संस्थानों में पढ़ने वाले बच्चों को मान्यता, सुरक्षा और गुणवत्ता वाली शिक्षा का अभाव झेलना पड़ रहा है

स्थानीय लोगों का भी कहना है कि इलाके में कई जगह बिना किसी अनुमति के स्कूल चलाए जा रहे हैं इन स्कूलों में न तो पर्याप्त क्लासरूम हैं, न ही सुरक्षा के उचित इंतजाम। बावजूद इसके प्रशासन की ओर से अब तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है

मामले को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इन अवैध स्कूलों पर कब कार्रवाई होगी ? अभिभावकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि संबंधित विभाग तुरंत जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे और बच्चों के भविष् को सुरक्षित किया जाए

फिलहाल प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है लेकिन बढ़ते दबाव के बीच जल्द कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है

मेट्रो-6 निर्माण पर उठे सवाल–डेडलाइन की दौड़ में क्या खतरे में है सुरक्षा?

मुंबईः शहर की महत्वाकांक्षी मुंबई मेट्रो लाइन 6 परियोजना एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन इस बार वजह इसकी रफ्तार नहीं बल्कि उससे जुड़े संभावित जोखिम हैं। कागजों पर परियोजना के करीब 87इ काम पूरा होने का दावा किया जा रहा है, मगर जमीनी हकीकत खासतौर पर जोगेश्वरी इलाके में गंभीर सवाल खड़े कर रही है। जोगेश्वरी में सक्रिय रेलवे ट्रैक के बीच चल रहा निर्माण कार्य इस परियोजना का सबसे संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण हिस्सा बन गया है। यहां चलती ट्रेनों के बीच पिलर खड़े किए जा रहे हैं और भारी स्टील स्पैन लगाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के कार्य में जरा सी चूक भी बड़े हादसे में बदल सकती है। हाल ही में रेलवे ट्रैक के ऊपर 169 टन वजनी स्टील कंपोजिट स्पैन को महज 10 घंटे के ब्लॉक में स्थापित किया गया। इसके लिए 500 और 600 टन क्षमता वाली भारी क्रेनों का इस्तेमाल किया गया, जो सीमित जगह में सक्रिय ट्रैक के बीच काम कर रही थीं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या इतनी कम समयसीमा में इतना जटिल काम करना सुरक्षा मानकों के अनुरूप था, या फिर डेडलाइन पूरी करने की जल्दबाजी में जोखिम उठाया गया।

परियोजना से जुड़े अधिकारी इसे इंजीनियरिंग उपलब्धि बता रहे हैं, लेकिन स्थानीय नागरिकों और रोजाना यात्रा करने वाले लोगों में डर साफ नजर आ रहा है। लोगों का मानना है कि थोड़ी सी भी चूक बड़ा हादसा बन सकती थी।

मेट्रो-6 का निर्माण कई जगहों पर फ्लाईओवर और अन्य मेट्रो लाइनों के ऊपर 24 से 31 मीटर की ऊंचाई पर हो रहा है, जिससे तकनीकी जटिलता और खतरा दोनों बढ़ गए हैं। 6,716 करोड़ की इस परियोजना को 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है, लेकिन देरी और दबाव के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है–क्या समयसीमा के लिए यात्रियों की सुरक्षा से समझौता किया जा रहा है?

गोवंडी में फर्जी डॉक्टरों का बे खौफ शुरू कारोबार, सरगना पर संरक्षण के नाम पर वसूली के गंभीर आरोप

मुंबई के गोवंडी स्थित शिवाजी नगर और आसपास के इलाकों में फर्जी डॉक्टरों का एक संगठित नेटवर्क सक्रिय होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जो गरीब और अनजान लोगों की सेहत के साथ खुलेआम खिलवाड़ कर रहा है। बिना किसी मान्यता प्राप्त डिग्री और वैध पंजीकरण के ये लोग क्लिनिक चलाकर मरीजों का इलाज कर रहे हैं, जिससे कई लोगों की जान जोखिम में पड़ गई है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, ये कथित डॉक्टर सामान्य बुखार से लेकर गंभीर बीमारियों तक के इलाज का दावा करते हैं और मरीजों से भारी रकम वसूलते हैं। कई मामलों में गलत दवाइयों और इलाज के चलते मरीजों की हालत बिगड़ने की शिकायतें भी सामने आई हैं। इसके बावजूद यह अवैध धंधा बेखौफ जारी है। पुलिस द्वारा समय-समय पर कार्रवाई कर कुछ फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया जाता है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि कुछ ही दिनों में ये लोग फिर से नए नाम और ठिकानों के साथ अपना धंधा शुरू कर देते हैं। इससे साफ है कि कार्रवाई केवल औपचारिक बनकर रह गई है और जमीनी स्तर पर इसका कोई स्थायी असर नहीं दिख रहा। वहीं, गोवंडी के बैगनवाड़ी स्थित रोड नंबर १३ पर इस पूरे रैकेट का कथित सरगना एन.ए. फारूकी बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, फारूकी इन फर्जी डॉक्टरों को संरक्षण देने के नाम पर मोटी रकम वसूलता है। इतना ही नहीं, वह खुलेआम यह दावा करता है कि पुलिस उसकी जेब में है, जिससे उसके हौसले और भी बुलंद हो गए हैं।

News Splash द्वारा ऐसे कई फर्जी डॉक्टरों की पहचान और तस्वीरें भी सामने लाई जा रही हैं, जो आज भी इलाके में सक्रिय हैं। स्थानीय नागरिकों में इस पूरे मामले को लेकर भारी आक्रोश है। लोगों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि इस संगठित गिरोह के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करते हुए इसे जड़ से खत्म किया जाए, ताकि गोवंडी जैसे इलाकों में रहने वाले गरीब नागरिकों को सुरक्षित और सही इलाज मिल सके।

मुंबई महानगर पालिका में गूंजा नशे के खिलाफ मुद्दा AIMIM की नगरसेविका मेहजबीन अतीक अहमद ने उठाई आवाज

गोवंडी इलाके में लगातार बढ़ते नशे और उससे जुड़े आपराधिक मामलों को लेकर अब सियासी स्तर पर भी आवाज उठने लगी है AIMIM की नगरसेविका मेहजबीन अतीक अहमद ने मुंबई महानगर पालिका की बैठक में इस गंभीर मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। वार्ड क्रमांक १३४ से नगरसेविका मेहजबीन अतीक अहमद ने कहा कि गोवंडी क्षेत्र में नशे का कारोबार तेजी से फैल रहा है जिसके कारण इलाके में अपराध की घटनाओं में भी बढ़ोतरी हो रही है उन्होंने प्रशासन से मांग की कि नशे के अवैध कारोबार पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए और इलाके में पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए मेहजबीन ने यह भी कहा कि नशे की वजह से युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ रहा है, जिसे रोकने के लिए ठोस कदम उठाना बेहद जरूरी है। उन्होंने महानगर पालिका और पुलिस प्रशासन से समन्वय बनाकर विशेष अभियान चलाने की अपील की गौरतलब है कि उनके पति और AIMIM के महाराष्ट्र महासचिव अतीक खान भी लंबे समय से नशे के खिलाफ आवाज उठाते आ रहे हैं और विभिन्न स्तरों पर इस मुद्दे को प्रमुखता से रखते रहे हैं

गोवंडी बना अपराध का हॉटस्पॉट लगातार बढ़ते हत्या के मामलों से लोगों में दहशत

मुंबई के गोवंडी इलाके में इन दिनों अपराध के बढ़ते मामलों ने स्थानीय निवासियों की चिंता बढ़ा दी है खासकर लगातार सामने आ रहे हत्या के मामलों ने इलाके में डर और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है कभी चाकू से गोदकर तो कभी गोली मारकर हत्या की घटनाएं सामने आ रही हैं जिससे लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं

स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते कुछ समय में अपराध की घटनाओं में तेजी से इजाफा हुआ है देर रात बाहर निकलने में लोग डरने लगे हैं और माता-पिता अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं वहीं इन घटनाओं को लेकर पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठने लगे हैं लोगों का आरोप है कि इलाके में बढ़ते अपराध और नशे के कारोबार पर पुलिस पूरी तरह से लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रही है गोवंडी और आसपास के क्षेत्रों में नशे का कारोबार तेजी से फैल रहा है, जिसे कई लोग हत्या जैसे गंभीर अपराधों की बढ़ती घटनाओं की बड़ी वजह मान रहे हैं

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। उन्होंने पुलिस से इलाके में गश्त बढ़ाने नशे के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई करने और असामाजिक तत्वों पर सख्ती बरतने की मांग की है. अब देखना यह होगा कि पुलिस प्रशासन इन बढ़ते अपराधों पर किस तरह से नियंत्रण करता है और लोगों में सुरक्षा का भरोसा कैसे बहाल करता है

पत्रकारों को २० लाख रुपये का बीमा और विशेष प्रशिक्षण देगा JMA

जनरल मीडिया एसोसिएशन (JMA) महाराष्ट्र के अध्यक्ष संजय निराले ने बताया कि संगठन को राज्य के हर जिले तक पहुंचाया जाएगा प्रभारी सुधीर शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय पदाधिकारियों से सीधा संवाद स्थापित करने डिजिटल पत्रकारिता को समझने और नई चुनौतियों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है JMA डिजिटल और ऑनलाइन पत्रकारों को प्रोत्साहित करने उन्हें आर्थिक मदद देने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए एक मजबूत मंच बनेगा डिजिटल और ऑनलाइन पत्रकारिता में काम करने वालों के लिए पंजीकरण अनिवार्य होगा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि वें केंद्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के साथ समन्वय बनाकर काम कर रहा है उन्होंने यह भी बताया कि डिजिटल पत्रकारों को मान्यता (accreditation) दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी YouTube और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले पत्रकारों को भी इस योजना का लाभ मिलेगा

मुद्रक, मालिक, प्रकाशकः मो. सलिम शेख ने प्रचिता प्रिंट प्रा.लि. गाला नं. 13, मकोबा बिल्डिंग, 'एस' ब्रिज के पास, एन.एम. जोशी मार्ग, भायखला (पश्चिम), मुंबई-400027 से मुद्रित कर अण्णाभाऊ साठे नगर, अहिल्याबाई चाल, चिखलवाडी, गोवंडी, मुंबई-400043 से प्रकाशित। संपादक मो. सलिम शेख (मो. 9870157735, 8454088383)